शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

5-6 मार्च 2024

आयोजक - हिन्दी विभाग

सलाहकार समिति

- डॉ. मनोज पांडे, नागपुर
- डॉ. मृदुला शुक्ल, खैरागढ
- डॉ. अभिनेष सुराना, भिलाई
- डॉ. शकरमुनि राय, दंतेवाडा
- डॉ. राजन यादव, खैरागढ
- डॉ. विजय कलमदार, छिदवाडा
- डॉ. गोविन्द सिरसाटे, बालाघाट
- डॉ सियाराम शर्मा, उतई
- डॉ. डी. पी. कुर्रे
- डॉ. के. एन. प्रसाद
- डॉ. अजना ठाकुर
- डॉ. शैलेन्द्र सिंह
- डॉ. के. एल. दामले
- डॉ. प्रमोद महिष
- डॉ. सुरेश पटेल

— पंजीयन शुल्क —

प्राध्यापक (भारत)	1500/-	**अतिथि प्राध्यापक/शोधार्थी**	700/-
प्राध्यापक (अंतरराष्ट्रीय)	1700/-	**विद्यार्थी**	300/-
प्राध्यापक (DMV)	1000/-	**अन्य-(उद्योग, कला, प्रशासन)**	1200/-
अतिथि प्राध्यापक (DMV)	500/-		

नोट : शास दिग्वि महा के साथ MOU संस्था के प्राध्यापकों/सहा. प्राध्यापकों/अतिथि प्राध्यापकों विद्यार्थियों को दिग्विजय महाविद्यालय के लिए पंजीयन राशि जो है वही होगी ।

पंजीयन लिंक –

Account details : Online/offline payment :- A/c No. 10564179491

Bank Name : STATE BANK OF INDIA

BENEFICIARY : CONTROLLER AUTONOMOUS DMV RJN

ACCOUNT NO : ~~10564179491~~ IFSC CODE : SBIN0000464

MICR NO : 491002101 BRANCH NAME : MAIN BRANCH

NOTE- After payment please upload a screenshot of the transaction detail in Google form.

नोट : शोधपत्र/शोधालेख कृतिदेव 010, फॉट साईज 14 में कम्प्यूटीकृत होना चाहिए जो निर्धारित तिथि 20 फरवरी 2024 तक dmvhindi24@gmail.com पर मेल किया जा सकता है।

संगोष्ठी के सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। प्रतिभागियों के लिए दोनों दिन स्वल्पाहार और भोजन की व्यवस्था आयोजक महाविद्यालय की ओर से रहेगी।

नोट : आवासीय सुविधा चाहने वाले प्रतिभागी पहले से सूचित करें।

यह संगोष्ठी ऑफलाईन/ऑनलाईन मोड पर आयोजित है।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

Phone : 07744-225036 e-mail - principal@digvijaycollege.com

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श

5-6 मार्च 2024

प्रति,

प्रो./डॉ. _____

_____

_____

_____

प्रेषक -

डॉ. के.एल. टाण्डेकर

प्राचार्य/संरक्षक

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.) मो. नं. 94241-11204

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

5-6 मार्च 2024

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श

डॉ. के.एल. टाण्डेकर

प्राचार्य एवं संरक्षक

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.)

संयोजक	सह-संयोजक	आयोजन सचिव
डॉ.(श्रीमती) बी.एन. जागृत	डॉ. प्रवीण साहू	डॉ. नीलम तिवारी
विभागाध्यक्ष, हिन्दी, पत्रकारिता	विभागीय प्राध्यापक	मो. 94241-10699
मो. 94241-11402	मो. 94076-21289	

आयोजक समिति

डॉ. गायत्री साहू — मो. 88179-47331

श्री कौशिक बिशी — मो. 70000-27158

बिन्दु डनसेना — मो. 79745-79030

रितु यादव — मो. 96911-08396

प्रायोजक

छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर

स्वशासी प्रकोष्ठ एवं जनभागीदारी प्रबधन समिति

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

आयोजक

हिन्दी विभाग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

प्रस्तावना :

नारी विमर्श रूढ़ हो चुकी मान्यताओं, परंपराओं के प्रति असंतोष व उससे मुक्ति का स्वर है। पितृ सत्तात्मक समाज के दोहरे नैतिक मापदंडों मूल्यों व अंतर्विरोधों को समझने व पहचानने की गहरी अंतर्दृष्टि है। विश्व चिंतन में यह एक नई बहस को जन्म देता है। स्त्री विमर्श सदियों से चली आ रही मौन की मुखर अभिव्यक्ति है। यह नारी चेतना, स्वाभिमान, संघर्ष व नारी अनुभूतियों का उद्गार है। वैश्विक व्यवस्था में पुरुषों की धारणा को चुनौती देता हुआ स्त्री स्वर सामूहिक मुक्ति का नया आख्यान रचता है।

आज की नारी समाज के नियमों व वर्जनाओं के तले चुप्पी भरे जीवन को तोड़कर अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाने लगी है। वर्तमान परिदृश्य में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक, साहित्यिक, विज्ञान-तकनीकी व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नारी अपनी सशक्त भूमिका निभा रही है। न केवल भारत के संदर्भ में बल्कि विश्व में नारियों के लिए जो व्यवस्था एवं उत्थान के प्रयास चाहे नारियों के माध्यम से हो या पुरुषों के सहयोग से हो। उन परिस्थितियों का आकलन एवं समीक्षा इस संगोष्ठी के माध्यम से करने का प्रयास रहेगा क्योंकि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आज भी नारी की समग्र स्थिति के मूल्यांकन के लिए चिंतन व विश्लेषण आवश्यक है।

संगोष्ठी के लिए शोध पत्र आमंत्रित :-

संगोष्ठी के लिए नारी विमर्श से जुड़े निम्नांकित विषयों पर शोधपत्र/शोधालेख आमंत्रित है :-

- विमर्श की अवधारणा एवं विविध आयाम
- नारी विमर्श का इतिहास
- वैश्विक तथा भारतीय सिनेमा में नारी
- भूमंडलीकरण और नारी
- बाजारवाद और नारी
- उद्यमिता और नारी
- राजनीति और नारी
- तकनीकी एवं विज्ञान क्षेत्र में नारी
- पत्रकारिता और नारी
- कार्पोरेट जगत में नारी
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में नारी
- भारतीय पुनर्जागरण में नारी
- वैश्विक एवं भारतीय समाज और नारी
- हिंदी व्यंग्य साहित्य में नारी
- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी साहित्य में नारी
- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी साहित्य में नारी
- भारतीय संस्कृति और नारी
- कला के क्षेत्र में नारी

➢ नारी विमर्श से जुड़े अन्य विषय भी लिये जा सकते है।

शोध पत्रों को ISBN नम्बर के साथ शीघ्र पुस्तक प्रकाशन किया जाएगा।

महाविद्यालय और नगर का परिचय :

राजनांदगाँव शिक्षा मंडल द्वारा 13 जुलाई सन् 1957 में स्थापित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय उच्चतम शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में एक गौरवपूर्ण शिक्षण संस्थान का नाम है। इस महाविद्यालय का नाम महत राजा दिग्विजय दास से जुड़ा है। राजा जी इस नगर में उच्च शिक्षा के स्वप्नद्रष्टा थे, इसलिए आपने अपने राजमहल को इसके लिए दान किया था।

वर्तमान में इस संस्था में लगभग छः हजार विद्यार्थी अध्ययनरत है, जहां कुल 18 विषयों में स्नातकोत्तर, 24 विषयों में स्नातक और 10 विषयों में रोजगार मूलक विषयों का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से मान्यता प्राप्त यह स्वशासी महाविद्यालय है, जहां 9 विषयों में अनुसंधान केन्द्र स्थापित है जिसमें 30 शोध निर्देशकों के अधीन लगभग 100 शोधार्थी विभिन्न विषयों में अनुसंधान कार्य कर रहे है।

मुक्तिबोध संग्रहालय और त्रिवेणी परिसर :

यह महाविद्यालय राजनांदगाँव नगर के ऐतिहासिक तालाब रानीसागर और बूढ़ासागर से तीनों तरफ से घिरे हुआ है। यह शोध संगोष्ठी उस परिसर में आयोजित है, जिसके हिन्दी विभाग में 'सम्वदनी' के संपादक कथाशिल्पी डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी तथा विश्व विख्यात साहित्यकार गजानन माधव मुक्तिबोध ने अध्यापन किया है और आपने उन कालजयी कृतियों का सृजन भी यहीं किया है, जिनसे हिन्दी जगत गौरवान्वित है।

उल्लेखनीय है कि मुक्तिबोध के उस ऐतिहासिक निवास को जहां उन्होंने अपने जीवन के अंतिम छः साल व्यतीत किये, छत्तीसगढ़ शासन ने 'मुक्तिबोध स्मारक और संग्रहालय' के रूप में विकसित कर दिया है। साथ ही मुक्तिबोध, बख्शी जी तथा इस महाविद्यालय के संस्थापक सदस्य मानस मर्मज्ञ डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र की स्मृति को अमिट बनाने के लिए यहीं पर उनकी प्रस्तर शिल्प की मूर्तियां एक साथ स्थापित कर 'त्रिवेणी परिसर' का ऐतिहासिक नाम दिया गया है। इसके साथ ही साहित्यिक सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए यहां एक 'सृजन संवाद भवन' का भी निर्माण किया गया है, जिसमें नगर की साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाए वर्ष भर आयोजन तो करती ही है, अतिथि रचनाकारों के सम्मान में 'सृजन संवाद' का आयोजन भी करती है।

पर्यटन स्थल :

राजनांदगाँव नगर से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में एशिया का पहला संगीत विश्वविद्यालय 'इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़' स्थित है। इसी मार्ग पर 114 किलोमीटर आगे जाने पर 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' 'भोरमदेव महादेव मंदिर' और राष्ट्रीय पुरातात्विक महत्व का स्थल 'पचराही' है। राजनांदगाँव से 37 किलोमीटर की दूरी पर ही शक्तिपीठ माता बम्लेश्वरी का मंदिर है, जो यहां पहुँचने वाले अध्ययेताओं और दर्शनार्थियों के आकर्षण का केन्द्र है।

आवागमन :

मुंबई हावड़ा व्हाया नागपुर रेलमार्ग पर स्थित राजनांदगाँव रेल्वे स्टेशन पर सभी महत्वपूर्ण रेल गाड़ियों का स्टॉपेज है। उत्तर प्रदेश, बिहार तथा झारखण्ड से यात्रा करने वाले प्रतिभागियों के लिए गोरखपुर एक्सप्रेस, सारनाथ एक्सप्रेस तथा दुर्ग दानापुर एक्सप्रेस का अंतिम पड़ाव दुर्ग रेल्वे स्टेशन है, जो राजनांदगाँव से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से राजनांदगाँव के लिए हमेशा लोकल ट्रेन और बस सुविधा है।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नारी विमर्श

5-6 मार्च 2024

संगोष्ठी के विषय विशेषज्ञ :

डॉ. श्वेता दीप्ति– (प्राध्यापक)
त्रिभुवन विश्व विद्यालय, काठमांडू, नेपाल

डॉ. नीलम जैन– साहित्यकार
विजिटिंग स्कालर, SJSU अमेरिका (USA)

डॉ. विवेकमणि त्रिपाठी–एसोसिएट प्रोफेसर (हिंदी)
क्वांगतोंग विदेशी भाषा विश्वविद्यालय,चीन

डॉ. मृणाल शर्मा, साहित्य सेवी (इंजीनियर)
सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

डॉ. जया जादवानी–
साहित्यकार, रायपुर

कैलाश बनवासी–
साहित्यकार, भिलाई

डॉ. राजन यादव– विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता
कला संकाय, (इ.क.सं.वि.वि. खैरागढ़)

डॉ. मधुलता बारा– (विभागाध्यक्ष)
हिंदी पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर

संरक्षक
डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य
मो. 94241-11204

संयोजक
डॉ.(श्रीमती) बी. नंदा जागृत
विभागाध्यक्ष, हिन्दी एवं पत्रकारिता
मो. 94241-11402

सह-संयोजक
डॉ. प्रवीण साहू
प्राध्यापक, हिन्दी
मो. 94076-21289

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)